

Ques- उत्तरी गोलार्ध में प्रमुख रेगिस्तान 20° - 30° उत्तर और महाद्वीपों के पश्चिमी भाग के मध्य में स्थित हैं। क्यों?

1. विश्व के मरुस्थलों की स्थिति विशेष स्थिति है। जो कि 20° - 30° की पेंटी व पश्चिमी तट पर होते हैं। यह निम्न-लिखित कारणों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

1- 20° - 30° महाद्वीपों में वाणिज्यिक पवनों का प्रवाह होता होता है। जो पूर्व से पश्चिम तल आते हुए यहाँ पर तट से विमुख होती है। एवं इन्होंने जलवाष्प समाप्त हो-फुला होता है। [मानचित्र]

2- यह पेंटी वायु अवतलन की पेंटी है जहाँ प्रतिचक्रवात की दशा (उच्च वायुदाब की दशा) उत्पन्न होती है। इस कारण यहाँ सातमान लाख एवं वर्षा का सम्भव पाया जाता है। [मानचित्र]

3- पश्चिमी तट मकर ठण्डी जलधारा का क्षेत्र होने के कारण शुष्कता का प्रभाव उत्पन्न करते हैं जिससे वायुमंडल में ज्वाप्त नमी जोहरा बन जाती है। [मानचित्र]

निष्कर्ष-1 उपरोक्त कारणों से मरुस्थलों की स्थिति 20° - 30° महाद्वीपों पर महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर होती है।

भूमिका - मरुस्थल रण्ड विशेष पारितंत्र होता है जिनका निर्माण
2 कुछ अत्योन्माकृत ज्वालों द्वारा होता है जो नि
निम्नलिखित हैं - - - -

- 1-
 - 2-
 - 3-
- } Same (तीनों बिन्दुओं के साथ मानचित्र भी बनाना है।)

निष्कर्ष - उपरोक्त ज्वालों के कारण मरुस्थल पश्चिमी
2 तटों पर 20° - 30° की पेटी में होते हैं यह ज्वाल
मरुस्थलीकरण की समस्या के समाधान में व शुष्क
स्वर्ग अर्धशुष्क क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन में सहायक
होंगे।

KGS IAS



KHAN SIR

ओशिअनिया → यह एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसके चार घटक हैं।

1- ऑस्ट्रेलिया — विश्व का 7 वां महाद्वीप है। यह सबसे छोटा महाद्वीप है।

- इसे द्वीप महाद्वीप भी कहा जाता है।

2- माइक्रोनेशिया

3- मिलानेशिया

4. पोलिनेशिया → टोंगा, कुक व ताहिती प्रमुख द्वीप हैं।

* चारों की भौगोलिक स्थिति स्थलचित्र पर देखें।

- ऑस्ट्रेलिया प्राचीनतम महाद्वीप है।

- यह एक महाद्वीपीय देश है।

- यह एक शुष्क महाद्वीप है।

- इसके मूल निवासी अबोरीजिन हैं।

